CBSE कक्षा 12 हिन्दी (केन्द्रिक)

Question Paper Comp. Outside Delhi 2017 सेट-1

सामान्य निर्देशः

- इस प्रश्न-पत्र में 14 प्रश्न हैं।
- सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
- विद्यार्थी यथासंभव अपने शब्दों में उत्तर लिखें।

खंड-क

1. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए : (15)**

   किसी देश का लोक जागरूक हो इसके लिए उसका चिंतनशील, संवेदनशील, अनुभवी, शक्तिशाली और क्रियाशील होना आवश्यक है। ये सभी गुण तभी आते हैं, जब लोग समाज के सामने आने वाली समस्याओं पर सोचते हैं, विचारते हैं और समाधान के नए-नए उपाय खोजते हैं। यदि किसी लोकतंत्र के लोग अपनी-अपनी घरेलू या व्यावसायिक समस्याओं से अलग कुछ सोच ही न पाते हों तो वहाँ लोकतंत्र कभी सफल नहीं हो सकता। यदि भारतीय जन भारत में फैले आतंकवाद पर, भ्रष्टाचार पर, संस्कारों पर, दूरदर्शन के कार्यक्रमों पर, नए फैशन पर, नई बीमारियों पर या नई जीवन शैलियों पर कोई मत ही नहीं रखते तो वे अपना तंत्र कैसे स्थापित करेंगे? भारत का समाज आज लिंग-भेद, भ्रष्टाचार, आतंकवाद जैसे मुद्दों पर अनेक समस्याएँ झेल रहा है। इन पर लोकमत जानने और बनाने का काम मीडिया के हाथों में है।
   प्रश्न यह है कि मीडिया के विविध रूप भारत के लोकमानस को शिक्षित, संस्कारित और जाग्रत करने के लिए क्या कर रहे हैं? मीडिया का एक काम है - जनता को अधुनातन जानकारियों से युक्त बनाना। इस काम में हमारे अनेक निजी तथा सरकारी चैनल प्रशंसनीय कार्य कर रहे हैं। वे लोकमन को छूती हुई सामान्य से लेकर नई घटनाओं को हमारे सामने प्रस्तुत कर रहे हैं। परंतु कुछ समाचार-पत्र और चैनल जानबूझ कर सनसनी फैलाने वाली सूचनाओं द्वारा जनता को क्षुब्ध, आतंकित या भयभीत कर रहे हैं। उन पर श्लीलता-अश्लीलता तथा गोपनीयता की सभी सीमाओं को लाँघने का भी आरोप लगता रहता है। इस पर संयम रखना स्वयं मीडिया-कर्मियों का दायित्व है। कभी-कभी वे ऐसी सामग्री प्रदर्शित करते हैं जो शत्रुदेश के लिए हितकर हो सकती है या कभी जातीय विद्वेष भड़क सकता है। ऐसी भूमिका देश हित में नहीं हो सकती इसलिए उससे बचना चाहिए।
   मीडिया की सर्वाधिक प्रभावी भूमिका विभिन्न चर्चाओं, वाद-विवादों, साक्षात्कार या सर्वेक्षणों के माध्यम से पूरी होती है। जब आतंकवाद, भ्रष्टाचार, विदेश नीति, परमाणु-बिजली, अर्थव्यवस्था जैसे प्रबल मुद्दों पर जनता और विशेषज्ञ अपनी राय देते हैं तो जनता का भी 'मन' जाग्रत होता है। यही लोक-इच्छा लोकतंत्र को मज़बूत करती है।

   1. **गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए। (1)**
   2. **लोक की जागरूकता से क्या तात्पर्य है? इसके लिए क्या आवश्यक है? (2)**
   3. **लोकमत बनाने का मुख्य काम कौन करता है? कैसे? (2)**
   4. **लोकतंत्र किसे कहते हैं? वह कब असफल हो जाता है? (2)**

5. **मीडिया की अनुत्तरदायित्वपूर्ण भूमिका कब दिखाई पड़ती है? (2)**
6. **मीडिया की भूमिका कैसे कार्यक्रमों से पूरी होती है? (2)**
7. **आज भारत का समाज किन समस्याओं से जूझ रहा है? (2)**
8. **लोकतंत्र की स्थापना और विकास में मीडिया का क्या महत्त्व है? (2)**

उत्तर-

1. मीडिया की भूमिका (अन्य उचित शीर्षक भी स्वीकार्य)
2. - आम जन का सतर्क तथा सजग होना
   - चिंतनशील, संवेदनशील, अनुभवी, शक्तिशाली और क्रियाशील होना आवश्यक
3. - मीडिया
   - लोक मानस को शिक्षित, संस्कारित और जागरूक कर
4. - लोक का तंत्र, ऐसी व्यवस्था जिसमें सब की भागीदारी
   - जब लोग स्वार्थी होकर सिर्फ अपने बारे में सोचने लगते हैं।
5. सनसनी फैलाना, जनता को क्षुब्ध, आतंकित या भयभीत करना, गोपनीयता की सीमाओं को लांघना आदि में
6. चर्चा, वाद-विवाद, साक्षात्कार तथा सर्वेक्षणों द्वारा
7. लिंग-भेद, भ्रष्टाचार, आतंकवाद, जैसी समस्याओं से
8. - लोक को जागरूक बनाना, समाज के सामने आने वाली समस्याओं पर सोचने, विचारने तथा समाधान निकालने के लिए तैयार रहना
   - जनता के मन को जाग्रत कर विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करने की ओर अग्रसर करना

2. **निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : (1×5=5)**

देश नहीं होता है केवल
सीमाओं से घिरा मकान
देश नहीं होता है कोई
सजी हुई ऊँची दूकान
देश नहीं क्लब जिसमें बैठे
करते रहें सदा हम मौज
देश नहीं होता बंदूकें
देश नहीं होता है फौज
जहाँ प्रेम के दीपक जलते
हर दिल में अरमान मचलते
सजन सीना ताने चलते,
वही हुआ करता है देश।
पहले हम खुद को पहचानें
फिर पहचानें अपना देश

एक दमकता सत्य बनेगा,
नही रहेगा सपना देश।।

1. **कवि के विचार में किन बातों को देश नहीं माना जा सकता?**
2. **देश की पहचान क्या है?**
3. **आशय स्पष्ट कीजिए "जहाँ प्रेम के दीपक जलते, जहाँ इरादे नहीं बदलते।"**
4. **बंदूकों और फौजों का होना कब सार्थक है?**
5. **आपके विचार से खुद को पहचानना क्यों महत्त्वपूर्ण है?**

उत्तर-

1. सीमाओं से घिरा मकान, ऊँची दुकान, क्लब आदि
2. दृढ़ निश्चयी, प्रेम और स्वाभिमानी वीरों का देश
3. जहाँ प्रेम होता है वहीं दृढ़ इरादे होते हैं।
4. जब लोग निडर और प्रेम से रहेंग
5. खुद को पहचानने वाला ही देश को पहचान सकेगा

खंड-ख

3. **निम्नांकित में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए : (5)**
    1. मैं और मेरा देश
    2. महाशक्ति के रूप में उभरता भारत
    3. मेरा प्रिय कवि
    4. अबला नहीं, सबला है नारी

    उत्तर- किसी एक विषय पर निबंध अपेक्षित -

    i. भूमिका/उपसंहार (1)
    ii. विषय-वस्तु (3)
    iii. भाषा (1)
4. **अपने क्षेत्र में मच्छरों से फैलने वाली बीमारियों के बढ़ते प्रकोप से अवगत कराते हुए स्वास्थ्य अधिकारी को उचित कार्यवाही हेतु पत्र लिखिए और दो सुझाव भी दीजिए। (5)**

    उत्तर- पत्र-लेखन -

    - आरंभ और अंत की औपचारिकताएँ (1)
    - विषय-वस्तु (3)
    - शुद्ध भाषा और प्रस्तुति (1)

अथवा

- **'स्वच्छता मिशन' के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए किसी संपादक को पत्र लिखिए।**

उत्तर- पत्र-लेखन -

- आरंभ और अंत की औपचारिकताएँ (1)
- विषय-वस्तु (3)
- शुद्ध भाषा और प्रस्तुति (1)

5. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए : (1×5=5)**
    1. **सम्पादकीय किसे कहते हैं?**
    2. **'एंकर बाइट' क्या है?**
    3. **अंशकालिक पत्रकार से क्या आशय है?**
    4. **संदेह करना पत्रकार के स्वभाव में क्यों आवश्यक है?**
    5. **'डेस्क' किसे कहते हैं?**

    उत्तर-

    1. समसामयिक विषयों पर सम्पादक द्वारा लिखा गया लेख
    2. समाचार प्रसारण के दौरान घटनास्थल से प्रत्यक्षदर्शियों का वह कथन जो घटना के दृश्य को पुष्ट करता हो
    3. निश्चित समय के लिए मानदेय पर कार्य करने वाले पत्रकार
    4. समाचार की सत्यता तथा वैधता के लिए
    5. वह निश्चित स्थान जहाँ विशेष क्षेत्र के संवाददाता, उपसंपादक तथा संपादक मिलकर कार्य करते हैं।
6. **'बदलता शैक्षिक परिवेश' अथवा 'बाल मज़दूरी' विषय पर एक फीचर लिखिए। (5)**

    उत्तर- किसी एक पर फीचर लेखन-

    - विषय - वस्तु (2)
    - प्रस्तुतीकरण (2)
    - भाषा (1)
7. **'नारी सुरक्षा' अथवा 'बदलते जीवन मूल्य' विषय पर आलेख लिखिए। (5)**

    उत्तर- किसी एक पर आलेख लेखन-

    - विषय - वस्तु (2)
    - प्रस्तुतीकरण (2)
    - भाषा (1)

खंड-ग

8. **नीचे लिखे काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए- (2×4=8)**

    सारी मुश्किल को धैर्य से समझे बिना

    मैं पेंच को खोलने के बजाए

    उसे बेतरह कसता चला जा रहा था।

    क्योंकि इस करतब पर मुझे

साफ सुनाई दे रही थी
तमाशबीनों को शाबाशी और वाह-वाह।

1. **तमाशबीन किन्हें कहा गया है और क्यों?**
2. **पेंच खोलने से कवि का क्या आशय है?**
3. **'करतब' शब्द का प्रयोग कवि ने अपने किस कार्य के लिए किया है?**
4. **भाषा प्रयोग की मुश्किलों को कैसे समझा जा सकता है?**

उत्तर-

1. - कविता के विषय से अनजान लोगों को
   - कविता की गंभीरता को बिना समझे शाबासी देना तथा वाह-वाह करने के कारण
2. कथ्य को स्पष्टता से प्रस्तुत करना, भाव का अभिव्यक्त करना
3. भाव एवं कथ्य को चमत्कारिक भाषा में प्रस्तुत करने के प्रयास को
4. उपयुक्त भाषा के प्रयोग से

अथवा

- सचमुच मुझे दंड दो कि हो जाऊँ
  पाताली अँधेरे की गुहाओं में विवरों में
  धुएँ के बादलों में
  बिलकुल मैं लापता
  लापता कि वहाँ भी तो तुम्हारा ही सहारा है !!
  इसलिए कि जो कुछ भी मेरा है
  या मेरा जो होता-सा लगता है, होता-सा संभव है
  सभी वह तुम्हारे ही कारण के कार्यों का घेरा है, कार्यों का वैभव है
  अब तक तो जिन्दगी में जो कुछ था, जो कुछ है
  सहर्ष स्वीकारा है
  इसलिए कि जो कुछ भी मेरा है
  वह तुम्हें प्यारा है।

  1. **आशय स्पष्ट कीजिए:- "तुम्हारे ही कारण के कार्यों का घेरा है।"**
  2. **कवि दंड क्यों पाना चाहता है? दंड में उसे क्या पाने की चाहत है?**
  3. **प्रियतम के बारे में कवि का क्या अनुभव है?**
  4. **कवि ने जीवन की हर स्थिति को सहर्ष क्यों स्वीकार किया है?**

  उत्तर-

  1. - प्रिया के कार्यों का परिणाम
     - सभी कार्य जो हमें प्राप्त हुए वह तुम्हारे ही कारण

2. - अपने प्रिय की आकांक्षाओं पर खरा नहीं उतरने के कारण
   - गुमनाम हो जाना
   - पाताली अँधेरी गुफाओं तथा बादलों के धुँए में लापता हो जाना
3. - जीवन में एकमात्र सहारा प्रियतमा का
   - सभी उपलब्धियों एवं कार्यों का कारण
   - प्रिय ही जीवन का केंद्र
4. प्रिय को प्यारा होने के कारण

9. **नीचे लिखे काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए- (2×3=6)**

   प्रभु प्रलाप सुनि कान, बिकल भए बानर निकर।

   आइ गयउ हनुमान, जिमि करुना महँ बीर रस।

   1. **काव्यांश का भाव सौंदर्य लिखिए।**
   2. **काव्यांश की अलंकार योजना पर प्रकाश डालिए।**
   3. **भाषागत विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।**

   उत्तर-

   1. - जब वानर राम के प्रलाप को सुनकर व्याकुल हो रहे थे तभी हनुमान वहाँ आ गए
      - करुणा से पूर्ण स्थिति में हनुमान के लौटने से प्रसन्नता व्याप्त
   2. अनुप्रास, उत्प्रेक्षा अलंकार
   3. - अवधी भाषा का प्रयोग
      - दृश्य बिम्ब

10. **नीचे लिखे प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर दीजिए : (3×2=6)**

   1. **विप्लव के बादल का स्वागत कौन-सा वर्ग करता है और क्यों?**
   2. **'कैमरे में बंद अपाहिज कविता' कुछ लोगों की संवेदनहीनता प्रकट करती है, कैसे?**
   3. **भोर के नभ को राख से लीपा चौका क्यों कहा गया है?**

   उत्तर-

   1. - शोषित-दलित वर्ग
      - परिवर्तन और क्रांति की आशा में
   2. - पीड़ित व्यक्ति की पीड़ा से संबंधित प्रश्न पूछकर उसे दुखी करना
      - पुरानी बातों को याद दिलाकर उसकी भावनाओं को बेचना
      - चैनल की आमदनी (टीआरपी) बढ़ाने के लिए अपाहिज का मजाक उड़ाना
   3. - भोर के दृश्य को रूपायित करने के लिए
      - सूर्योदय से पहले की स्थिति को बताना
      - पवित्रता, ऊर्जा, शांति तथा सहजता को अभिव्यक्त करना

11. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (2×4=8)**

इस दंड विधान के भीतर कोई ऐसी धारा नहीं थी जिसके अनुसार खोटे सिक्कों की टकसाल-जैसी पत्नी से पति को विरक्त किया जा सकता। सारी चुगली-चबाई की परिणति, उसके पत्नी-प्रेम को बढ़ाकर ही होती थी। जिठानियाँ बात-बात पर धमाधम पीटी-कूटी जातीं; पर उसके पति ने उसे कभी उँगली भी नहीं छुआई। वह बड़े बाप की बड़ी बात वाली बेटी को पहचानता था। इसके अतिरिक्त परिश्रमी, तेजस्विनी और पति के प्रति रोम-रोम में सच्ची पत्नी को वह चाहता भी बहुत रहा होगा, क्योंकि उसके प्रेम के बल पर ही पत्नी ने अलगौझा करके सबको आँगूठा दिखा दिया। काम वही करती थी, इसलिए गाय-भैंस, खेतखलिहान, अमराई के पेड़ आदि के संबंध में उसी का ज्ञान बहुत बढ़ा-चढ़ा था।

1. **खोटे सिक्के की टकसाल किसे कहा गया है और क्यों?**
2. **लछमिन की ग्रामीण जीवन का अधिक ज्ञान क्यों था?**
3. **किन गुणों के कारण पत्नी पति की प्रेम पात्र थी?**
4. **अलगौझा किसे कहते हैं? लछमिन ने अलगौझा क्यों करवा लिया?**

उत्तर-

1. - पत्नी को, भक्तिन को
   - बेटा की जगह सिर्फ बेटी को जन्म देने के कारण
2. - ग्रामीण परिवेश में पलने-बढ़ने के कारण
   - जमींदार घराने की बड़ी बात वाली बेटी थी
   - गाय-भैंस, खेत-खलिहान की जानकारी
3. - लछमिन के संस्कार को पहचानना
   - उसके परिश्रमी, तेजस्विनी गुणों की पहचान
   - पति के प्रति समर्पण और प्रेम की भावना का प्रबल होना
4. - परिवार का विभाजन/ अलग-अलग होना
   - स्वयं के परिश्रम और समझ पर भरोसा

12. **नीचे लिखे प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (3×4=12)**

1. **बाज़ार का जादू क्या है? इस जादू से बचने का सर्वोत्तम उपाय क्या है?**
2. **शिरीष की तुलना अवधूत से क्यों की गई है?**
3. **'काले मेघा पानी दे' पाठ में भारतीय समाज की किस दुविधा तथा आडंबर को व्यक्त किया गया है?**
4. **कहानी के अनुसार नमक ले जाने के सम्बन्ध में क्या दुविधा थी और क्यों?**
5. **चार्ली चैप्लिन का भारतीयकरण किन-किन रूपों में पाया जाता है? पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।**

उत्तर-

1. - बाजार का आकर्षण, वस्तुओं की चमक से आकर्षित होना
   - अपनी आवश्यकता की पहचान होना
   - मन का भरा होना
   - खाली मन से बाजार न जाएँ
2. - अच्छी-बुरी स्थितियों में समान भाव से रहने के कारण

- फक्कड़पन के कारण
- दूसरों के लिए छाया बनना
- सर्दी-गर्मी में एक समान रहना

(कोई तीन)

3. - लोक प्रचलित विश्वास एवं विज्ञान के द्वंद्व को
   - अंधविश्वास तथा कोरी प्रगतिशीलता
   - रीति-रिवाजों को मानना भी और उसे मानने की बाध्यता आदि
4. - विभाजन के बाद लाहौर से नमक भारत ले जाना कानूनी अपराध
   - भावनाएँ कानून से ऊपर
   - भारत के हिस्से में नमक की अधिकता
   - सिख बीबी की बातों को पूरा करने की चाहत
5. - विभिन्न भारतीय अभिनेताओं के रूप में
   - करुणा का हास्य में बदल जाना
   - विदेशी सांस्कृतिक परंपराओं को सहज रूप में स्वीकार कर लेना

13. **आपके विचार से पढ़ाई-लिखाई के संबंध में लेखक तथा दत्ता जी राव का रवैया सही था या लेखक के पिता का? जीवन-मूल्यों के संदर्भ में तर्क सहित उत्तर दीजिए। (5)**

उत्तर-

- बच्चों की पढ़ाई रोकना उचित नहीं
- खेल-कूद के साथ पढ़ाई-लिखाई आवश्यक
- पिता पढ़ाई नहीं करने देना चाहता था क्योंकि वे अनपढ़ और अशिक्षित थे, जो उचित नहीं
- लेखक पढ़ना चाहता था तथा दत्ता जी उसे पढ़ने के लिए उत्साहित करते
- लेखक के पिता को बुलाकर पढ़ने जाने देने की बात करना आदि

14. **i. यशोधर बाबू के जीवन को दिशा देने में किसकी महत्त्वपूर्ण भूमिका थी? कैसे? (5)**

ii. **"टूटे-फूटे खंडहर सभ्यता और संस्कृति के इतिहास के साथ-साथ धड़कती जिंदगियों के अनछुये पहलुओं के जीवंत दस्तावेज भी होते हैं।" कैसे? 'अतीत में दबे पाँव' के आधार पर स्पष्ट कीजिए। (5)**

उत्तर-

i. - किशन दा की
   - किशोरावस्था में किशन दा के संपर्क में आना
   - पढ़ाई पूरी कराना
   - काम दिलाना
   - एक अभिभावक की तरह देखभाल करना
   - किशन दा के मूल्यों पर चलना

ii. - खंडहरों में तत्कालीन सभ्यता की झलक

- रीति-रिवाज, खान-पान, रहन-सहन, शिक्षा-दीक्षा आदि
- खंडहरों को देखकर उस समय के बारे में पता चलता है।
- उस समय के लोगों के बारे में तथा उनकी धार्मिक-सामाजिक संस्कृति का बोध आदि
- पुरातात्विक खोज के अवशेषों को देखकर उस काल से तादात्म्य स्थापित होना

(अन्य बिंदु भी स्वीकार्य)